SHRI GURU RAM RAI UNIVERSITY

[Estd. by Govt. of Uttarakhand, vide Shri Guru Ram Rai University Act no. 03 of 2017 & recognized by UGC u/s (2f) of UGC Act 1956]

SYLLABUS
FOR
Master of Arts
Under CBCS/ECS Pattern
School of Humanities and Social Sciences
Department of Garhwali Language and Culture

(W.E.F 2021-2022)

Shri Guru Ram Rai university, Patel Nagar, Dehradun, Uttarakhand- 248001

MASTER OF ARTS

OUTCOME BASED EDUCATION

Program Outcome (POs)

PO 1	**अनुशासनिक ज्ञानः** विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान, साहित्य और मानवीकि के ज्ञान और समझ को तथ्यों, सिद्धांतों और आधारभूत सिद्धांतों के माध्यम से प्राप्त करते हैं। यह उनमें वैश्विक के साथ–साथ क्षेत्रीय ज्ञान में भी वृद्धि करता है।
PO2	**आलोचनात्मक एवं समस्या–**निदानः समाज के विषयों तथा समस्याओं का विश्लेषण और उचित परिणाम के सुझाव के लिए विद्यार्थी अपनी आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता को विकसित कर सकेंगे। यह विद्यार्थियों में बहु–विषयक दृष्टिकोण का विकास करता है और उन्हें वर्तमान नीतियों और नवपरिवर्तनकारी निदान के विश्लेषण और समालोचना के लिए योग्य बनाता है।
PO3	**अन्वेषणः** विद्यार्थी अपने अनुभवात्मक ज्ञान से आंकड़ों का मुल्यांकन कर पायेंगे और सैद्धान्तिक और वैज्ञानिक अन्वेषण के दृष्टिकोण से समाज की गतिविधियों और नीतियों का विश्लेषण कर पायेंगे।
PO4	**सामुहिक ज्ञानः** विद्यार्थी स्वतंत्र व्यक्तिगत रूप से सीख पायेंगे और प्रायोगिक क्रियाकलाप और उद्योगों एवं अनुभवी समाज में उन्हें सामुहिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध होगा।
PO5	**संप्रेषण कौशलः** विद्यार्थी विभिन्न संप्रेषण और प्रस्तुतीकरण के कौशल को सीख पायेंगे, जो कि उन्हें अपने विचार और दृष्टिकोणों को बड़े पैमाने पर समाज और समुदाय के सम्मुख स्पष्ट और प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने में सहायक होगा।
PO6	**व्यावसायिकताः** विद्यार्थी आत्मविश्वास और कौशलता से भरे होंगे जो कि उनमें विश्वस्तर पर अपेक्षित स्वप्रबंधन, व्यावसायिक योग्यता, उद्यमिता, व्यवसायिक निष्ठा और नेतृत्व के उद्देश्यों से सुसज्जित करेगा।
PO7	**नैतिकताः** विद्यार्थी मूल्य एवं नैतिकता को सीख सकेंगे और जिससे कि वे उत्तरदायी हो कर उनका उपयोग अपने कार्यस्थल और समुदाय में कर सकेंगे, जिससे कि उनका रूपान्तरण एक उत्तरदायी नागरिक के रूप में हो सके।
PO8	**पर्यावरण एवं प्रकृति अनुरूप विकासः** विद्यार्थी सामाजिक और पर्यावरणीय समस्यओं के निदान हेतु योग्य बन सकें, और पर्यावरण अनुरूप विकास के ज्ञान और आवश्यकता का प्रदर्शन कर सकेंगे।
PO9	**जीवन प्रयंत अध्ययनः** विद्यार्थियों में जीवन प्रयंत स्वशिक्षा का आत्मविश्वास और योग्यता का विकास होगा। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षओं और परिर्वतनशील व्यवसाय, तकनीक तथा ज्ञान और कौशलता के विकास से कार्य स्थल पर अपेक्षित ज्ञान का विकास करेगा।
PO10	**परियोजना और प्रबंधनः** विद्यार्थियों में समस्याओं के निदान, परियोजनाओं, और विभिन्न तकनीकी ज्ञान एवं कौशल से किसी योजना से लाभ लेने की क्षमता का विकास होगा। वे बहु–विषयक वातावरण में आधुनिक साधनों, तकनीकों, कौशलता एवं प्रबंधन सिद्धान्तों का उपयोग कर सकेंगे।
PO11	**अभियांत्रिकी और समाजः** समाजिक एवं सांस्कृतिक बिन्दुओं और मनुष्य, समाज तथा सामाजिक संस्थानों के उत्तरदायित्वों के मुल्यांकन के लिए तर्कशक्ति और प्रासंगिक ज्ञान का उपयोग करना।
PO12	**निदान के विकास की रूपरेखाः** समाज की जटिल समस्याओं के निदान, और समाज के घटकों अथवा जो कि जन स्वास्थ्य, सुरक्षा, सांस्कृतिक, सामाजिक और पर्यावरण की दृष्टि से विचारणीय विषयों हेतु योग्य बनाना।

Program Specific Outcome (PSOs)

PSO 1	प्रस्तुत कार्यक्रम के माध्यम से छात्र गढ़वाली, कुमाउनी भाषा के व्याकरण संबंधित नियमों से भली भांति परिचित हो सकेंगे।
PSO2	रोजगार की दृष्टि से अनुवाद के क्षेत्र में अपना भविष्य निर्धारित कर सकते हैंऔर शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जा सकता है।
PSO3	गढ़वाली पत्रकारिताऔरसाहित्य लेखन के क्षेत्र में भविष्य निर्धारण कर उचित आर्थिकी प्राप्त कर पाएंगे।
PSO4	गढ़वाली गीत लेखन, गायन और संगीत के क्षेत्र में कार्य किया जा सकता है।

Eligibility for admission:

Any candidate who has passed the Plus Two of the Higher Secondary Board Board of Examinations in any state recognized as equivalent to the Plus Two of the Higher Secondary Board in with not less than 40% marks in aggregate is eligible for admission, However, SC/ST, OBC and other eligible communities shall be given relaxation as per University rules.

Duration of the Program: 2 Years

STUDY & EVALUATION SCHEME
Choice Based Credit System /ECS
Master of Arts

First Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	MGLC-101	गढ़वालीभाषाएवंव्याकरण	2	1	0	3	40	60	100
2	Core	MGLC-102	गढ़वालीभाषाऔरसाहित्य का इतिहास- प्राचीनएवंमध्यकालीन	2	1	0	3	40	60	100
3	Core	MGLC-103	जनसंचार एवं पत्रकारिता	2	1	0	3	40	60	100
4	Core	MGLC-104	लोकसाहित्य	2	1	0	3	40	60	100
5	Core	MGLC-105	अनुवाद– गढ़वालीभाषाकेसिद्धांतएवं अभ्यास	2	1	0	3	40	60	100
6	Core	MGLC-106	गढ़वालीकथासाहित्य	2	1	0	3	40	60	100
			Total	12	6	0	18	240	360	600

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Second Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	MGLC -201	गढ़वालीभाषा: उत्पत्तिऔरविकास	2	1	0	3	40	60	100
2	Core	MGLC -202	गढ़वालीसाहित्यकाइतिहास	2	1	0	3	40	60	100
3	Core	MGLC -203	गढ़वालीभाषा काव्य (प्रथमभाग)	2	1	0	3	40	60	100
4	Core	MGLC -204	गढ़वालीगद्य साहित्य	2	1	0	3	40	60	100
5	Core	MGLC -205	प्रयोजनमूलक गढ़वाली	2	1	0	3	40	60	100
6	Core	MGLC -206	सांस्कृतिकपर्यटन	2	1	0	3	40	60	100
			Total	12	6	0	18	240	360	600

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Third Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	MGLC-301	गढ़वालीलोकसाहित्य	2	1	0	3	40	60	100
2	Core	MGLC-302	गढ़वालमेंसांस्कृतिकसंचारऔरभाषाईपत्रकारिता	2	1	0	3	40	60	100
3	Core	MGLC-303	गढ़वालीभाषाकाव्य (द्वितीय भाग)	2	1	0	3	40	60	100
4	Elective	MGLE-304 (I) MGLE-304 (II)	गढ़वालीसाहित्यमंजूषा (**विकल्प-1)** कुमाउनीभाषाएवंव्याकरण(**विकल्प-2)**	2	1	0	3	40	60	100
5	Elective	MGLE-305(I) MGLE-305(II)	गढ़वालीगद्यमंजूषा(**विकल्प-1)** कुमाउनी साहित्य का इतिहास(**विकल्प-2)**	2	1	0	3	40	60	100

6	Elective	MGLE-306(I) MGLE-306(II)	गढ़वालीलोकगीत : स्वरुपएवंसाहित्य(**विकल्प-1)** कुमाउनी संस्कृति(**विकल्प-2)**	2	1	0	3	40	60	100
			Total	12	6	0	18	240	360	600

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Fourth Semester

S. No.	**Course Category**	**Couse Code**	**Course Name**	**Periods**				**Evaluation scheme**		**Subject Total**
				L	**T**	**P**	**C**	**Sessional (Internal)**	**External (ESE)**	
Theory										
1	Core	MGLC-401	गढ़वालीगीत: सृजन, गायनएवंसंगीत	2	1	0	3	40	60	100
2	Core	MGLC-402	गढ़वालीसंस्कृति	2	1	0	3	40	60	100
3	Core	MGLC-403	गोविन्दचातक - गढ़वालीलोकगीत	2	1	0	3	40	60	100
4	Elective	MGLE-404 (I) MGLE-404 (II)	प्राचीन एवं आधुनिकगढ़वाली कविता**(विकल्प - 1)** कुमाउनी गद्य साहित्य**(विकल्प -2)**	2	1	0	3	40	60	100

5	Elective	MGLE-405(I) MGLE-405(II)	गढ़वालकीकलाऔरवास्तुकला**(विकल्प -1)** कुमाउनी पद्य साहित्य**(विकल्प -2)**	2	1	0	3	40	60	100
6	Elective	MGLE-406(I) MGLE-406(II)	गढ़वालहिमालय औरसाहित्य**(विकल्प -1)** लघुशोधप्रबंध**(विकल्प -2)**	2	1	0	3	40	60	100
7	Self Study	MGLS-407	गढ़वाली लोकगाथा	2	1	0	3	40	60	100
			Total	14	7	0	21	280	420	700

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

ExaminationScheme:

Components	**IstInternal (Assignment)**	**IInd Internal (Written Exam)**	**External (ESE)**
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Programme Name- M A

Course code	: MGLC- 101			
Course Name	: गढ़वालीभाषाएवंव्याकरण			
Semester /Year	: I SEMESTER/ I YEAR			
L	**T**	**P**	**C**	
2	1	0	3	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- छात्रोंकोगढ़वालीभाषाकेव्याकरणकाज्ञानउपलब्धकरवानेकेलिए।
2- गढ़वालीभाषाकेमानकीकरणसंबंधितजानकारीकेलिए।
3- गढ़वालीवाक्यनिर्माणकेसमुचितअध्ययनकेलिए।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)भाषाअध्ययनऔरभाषाव्याकरण, गढ़वालीकाव्याकरणिकस्वरुप: वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी, अंकतथाइसकेलिएदेवनागरीलिपिकाअनुप्रयोग
(ii) गढ़वालीकाभाषिकस्वरुप: शब्दरचना(उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संधि)

इकाई-2

(i)शब्दविचार: शब्दऔरपद, गढ़वालीशब्दोंकीरूपरचना - विकारीऔरअविकारीशब्द
(ii)गढ़वालीशब्दोंकावर्गीकरण (क) रचनाकेआधारपर - रूढ़, यौगिक, योगरूढ़
(ख) अर्थकेआधारपर - तत्सम, तद्भव, देशी, देशज, स्थानीय, विदेशीऔरसंकर
(ग) अर्थकेआधारपर - पर्यायवाची, विलोम, समानार्थीऔरअनेकार्थीशब्द

इकाई-3

(i)वाक्य : परिभाषा, गढ़वालीवाक्यरचना,वाक्यभेद, वाक्यविशेषण, वाक्यसंश्लेषण, सामान्यअशुद्धियां, शुद्धवाक्य, गढ़वालीवाक्योंकेविशिष्टप्रकार
(ii)विरामचिह्न

इकाई-4

(i)गढ़वालीभाषाकामानकीकरण: समस्याऔरसमाधान, मानकीकृतगढ़वालीभाषामेंगद्यकानमूना
(ii)गढ़वालीकहावतें, मुहावरेएवंपहेलियां

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषाऔरव्याकरण - सुरेशममगाई
2- गढ़वाली व्याकरण - भुवनेश्वर जुयाल तथा वाचस्पति डोभाल
3-गढ़वाली भाषा की शब्द सम्पदा - रमाकांत बेंजवाल
4- उत्तराखंड के लोक-जीवन की समृद्ध परम्परा औखांण' (लोक- कहावत) -डॉ. वेणीराम अन्थवाल

संदर्भ पुस्तक :-

1- गढ़वाली - हिंदी - अंगेजीशब्दकोश–अचलानंदजखमोला
2- उत्तराखंडकीलोकभाषायें (गढ़वाली - कुमाऊनी - जौनसारी) –डॉ.अचलानंदजखमोला

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	व्याकरण संबंधित नियमों का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाली व्याकरण की बारीकियों को समझेंगे।
CO3	व्याकरण संबंधित नियमों से परिचित होकर गढ़वाली शब्दों को प्रयोग करेंगे।
CO4	वाक्य विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली शब्दों का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली व्याकरण के सभी रुपों का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	1	2	2	3	2	-	1	2	-	2	2	3	2	2	2
CO2	3	2	1	-	2	2	2	-	2	1	-	2	3	2	2	1
CO3	3	2	-	2	-	1	-	3	-	-	2	-	3	2	1	1
CO4	3	1	-	1	2	2	2	-	2	1	2	2	3	1	1	1
CO5	3	2	1	2	-	3	1	2	1	2	-	1	3	2	2	2
CO6	3	2	-	2	1	-	2	-	-	1	3	1	3	1	1	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 102			
Course Name	: गढ़वालीभाषाऔरसाहित्यकाइतिहास - प्राचीनएवंमध्यकालीन			
Semester /Year	: I SEMESTER/ I YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- उत्तराखंडमेंइतिहासलेखनकीपरंपराकेसम्पूर्णअध्ययनकेलिए।
2- उत्तराखंडकीभौगोलिकपृष्ठभूमिकोसमझनेकेलिए।
3- उत्तराखंडसेसंबंधितसम्पूर्णराजनीतिक,
ऐतिहासिकऔरसामाजिकपरिस्थितियोंकेविस्तृतअध्ययनकेलिए।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 गढ़वालमेंसाहित्यइतिहासलेखनपरंपरा (मध्यकालीन, आधुनिकगढ़वालीसाहित्य)

इकाई-2 गढ़वाल केसाहित्यिकइतिहासकेस्रोत

इकाई-3 गढ़वालकेसाहित्यमेंभूगोलएवंपर्यावरण

इकाई-4 गढ़वालीसाहित्य मेंपौराणिकआख्यान

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दन
2- उत्तराखंडकाइतिहास - डॉ.यशवंतसिंहकठोच

संदर्भ पुस्तक :-

1- उत्तराखंडकीलोकभाषायें (गढ़वाली- कुमाऊनी- जौनसारी) - डॉ.अचलानंदजखमोला
2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉ.अचलानंद
3- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी
4- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईंक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन - डॉ. जगदीशप्रसादनौडियाल

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	प्राचीन और मध्यकालीन इतिहास का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाल में साहित्य इतिहास लेखन परंपरा को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली साहित्य को प्रयोग में लाएंगे।
CO4	साहित्यिक इतिहास के स्रोतों का विश्लेषण करेंगे।
CO5	गढ़वाली साहित्य में भूगोल और पर्यावरण का संश्लेषण करेंगे।
CO6	गढ़वाली साहित्य में पौराणिक आख्यान का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	1	1	2	-	2	3	1	2	3	3	2	2	2	-
CO2	3	2	2	-	1	2	1	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	2	1	2	2	2
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	2	1	-	1
CO5	3	-	2	2	2	1	2	1	1	2	2	2	2	2	1	-
CO6	3	2	2	1	2	2	1	1	2	2	-	2	2	-	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	**IstInternal (Assignment)**	**IInd Internal (Written Exam)**	**External (ESE)**
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 103			
Course Name	: जनसंचार एवं पत्रकारिता			
Semester /Year	: I SEMESTER/ I YEAR			
L	**T**	**P**	**C**	
2	1	0	3	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालीभाषामेंपत्रकारिताकाउद्भवऔरविकासविषयकीगहनजानकारीकेलिए।
2- पत्रकारिताकेक्षेत्रसेसंबंधितविविधसूचनासंकलितकरनेकेसंदर्भमें।
3- समाचारपत्रोंकेसंकलनऔरप्रकाशनकेलिए।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वाली पत्रकारितास्वरुपऔरप्रकार
(ii)हिंदीएवंगढ़वालीपत्रकारिताकाउद्भवएवंविकास

इकाई-2

(i)गढ़वालीपत्रकारिताकेमूलतत्व - समाचारसंकलनतथालेखनकेमुख्यआयाम
(ii) संपादनकलाकेसामान्यसिद्धांत - शीर्षकीकरण, पृष्ठविन्यास,
आमुखऔरसमाचारपत्रकीप्रस्तुतिवप्रक्रिया

इकाई-3

(i)समाचारपत्रोंकेविभिन्नस्तंभोंकीयोजना,समाचारकेविभिन्नस्रोत
(ii) संवाददाताकीअर्हता,श्रेणीएवंकार्य

इकाई-4

(i)पत्रकारितासेसंबंधितलेखन: संपादकीयफीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजीसमाचारअनुवर्तन (फॉलोअप) आदिकीप्रविधि
(ii)इलेक्ट्रॉनिकमाध्यमोंकीपत्रकारिता: रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल,
मल्टीमीडियाऔरइंटरनेटकीपत्रकारिता,प्रिंटपत्रकारिताऔरमुद्रणकला, प्रूफशोधन, लेआउटतथापृष्ठ - सज्जा

पाठ्य पुस्तक :-

1- उत्तराखंडमेंपत्रकारिताकाइतिहास - शक्तिप्रसादसकलानी
2- गढ़वालमेंपत्रकारिताऔरहिंदीसाहित्य - डॉक्टरउमाशंकरथपलियाल 'समदर्शी'
3- जनसंचारपत्रकारिता - जयभारतीप्रकाशन - अर्जुनतिवारी

संदर्भ पुस्तक :-

1- पत्रएवंपत्रकारिता - ज्ञानमंडलवाराणसी - कमलापतित्रिपाठीएवंटंडन
2- संपादनकेसिद्धांत - आलेखप्रकाशननईदिल्ली - रामचंद्रतिवारी
3- हिंदीपत्रकारिताकेनएआयाम - विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी - बचनसिंह
4- प्रेसकानूनऔरपत्रकारिता - हिंदीबुकसेंटर, नईदिल्ली - संजीवभानावत

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली पत्रकारिता का ज्ञान होगा।
CO2	पत्रकारिता के मुख्य सिद्धांतों को समझेंगे।
CO3	पत्रकारिता को दैनिक व्यवहार में प्रयोग करेंगे।
CO4	समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों का विश्लेषण करेंगे।
CO5	पत्रकारिता के प्रकारों का संश्लेषण करेंगे।
CO6	जनसंचार और पत्रकारिता का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	1	2	3	1	2	3	3	3	2	2	-
CO2	3	2	2	-	1	2	1	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	1	1	-	1
CO5	3	2	2	2	2	1	-	1	1	2	2	2	2	2	1	-
CO6	3	2	-	1	2	2	1	2	2	1	-	1	2	-	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	20	20	60

Course code	: MGLC- 104			
Course Name	: लोकसाहित्य			
Semester /Year	: I SEMESTER/ I YEAR			
L	**T**	**P**	**C**	
2	1	0	3	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- लोकसाहित्यकेविस्तृतअध्ययनकेलिए।
2- लोकसाहित्यकेसंकलनकीसमस्याओंसेसंबंधिततथ्योंकीजानकारीकेलिए।
3- गढ़वालक्षेत्रमेंप्रचलितलोकोक्ति, कहावतेंऔरमुहावरोंकेगहनअध्ययनकेलिए।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)लोकसाहित्य,संस्कृतिअर्थ औरस्वरुप
(ii)गढ़वालीलोकसाहित्यकीप्रमुखप्रवृत्तियां

इकाई-2

(i)लोकसाहित्यकावर्गीकरण : लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियां, लोकसंगीत

इकाई-3

(i)गढ़वालीलोकगीत : इतिहासएवंस्वरुप
(ii)गढ़वालीलोकगीत : इतिहासएवंस्वरुप

इकाई-4

(i)गढ़वालीलोकसाहित्यकास्वरुपएवंसंभावनाएं

पाठ्य पुस्तक :-

1- लोकसाहित्यऔरलोकसंस्कृति - डॉ.रामनिवासश्रीवास्तव
2- उत्तराखंडकालोकसाहित्य - उत्तराखंडमुक्तविश्वविद्यालय, हल्द्वानी
3- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्ट'शैलेश'

संदर्भ पुस्तक :-

1- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर-रवाईंक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन - डॉ.जगदीशप्रसादनौडियाल
2- उत्तराखंडकीलोकभाषायें (गढ़वाली - कुमाऊनी - जौनसारी) - डॉ.अचलानंदजखमोला

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली लोक साहित्य का ज्ञान होगा।
CO2	लोक साहित्य का अर्थ, स्वरुप और प्रवृत्ति समझेंगे।
CO3	लोक साहित्य के वर्गीकरण को दैनिक व्यवहार में प्रयोग करेंगे।
CO4	गढ़वाली लोकगीत का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली लोकगाथाओं का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली लोक साहित्य का स्वरुप एवं संभावनाओं का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	2	2	3	2	3	2	2	2	2	2	2	2	1
CO2	3	2	2	-	1	2	2	-	2	1	2	1	1	2	1	2
CO3	3	-	1	3	2	-	1	2	-	2	2	2	2	2	2	1
CO4	3	2	-	2	1	2	-	1	1	2	-	-	2	1	1	2
CO5	3	1	2	2	2	1	2	2	2	2	2	2	1	-	2	-
CO6	3	-	1	-	2	2	1	1	2	2	1	-	2	2	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 105			
Course Name	: अनुवाद - गढ़वालीभाषाकेसिद्धांतएवंअभ्यास			
Semester /Year	: I SEMESTER/ I YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1-अनुवादप्रक्रियामेंध्यानदेनेयोग्यतत्वोंकोसमझाना।
2-गढ़वालीभाषामेंअनुवादकाअभ्यासकराना।
3-अनुवादकार्यकरतेसमयआनेवालीसमस्याएं।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i) अनुवाद:अर्थएवंपरिभाषाएं
(ii)अनुवादकास्वरुप: अनुवादकला, विज्ञानअथवाशिल्प

इकाई-2

(i)अनुवादकीप्रकृति,उपयोगिताएवंआवश्यकता
(ii)गढ़वाली भाषा में अनुवाद परंपरा

इकाई-3

(i) अनुवादकीप्रक्रिया, प्रकारवसमस्याएं
(ii)अनुवादककेगुण

इकाई-4

(i)गढ़वालीभाषाकाव्यावहारिकअनुवाद
(ii)अनुवादकीइकाई: शब्द, पदबंधवाक्यपाठ

पाठ्य पुस्तक :-

1-अनुवादविज्ञान - भोलानाथतिवारी
2-अनुवादऔरअनुप्रयोग- प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'

3- अनुवादविज्ञानसिद्धांतएवंप्रविधि - भोलानाथतिवारी

संदर्भ पुस्तक :-

1-काव्यानुवाद की समस्याएं- भोलानाथतिवारी
2- अनुवाद चिंतन - प्रो अर्जुन चह्वाण - अमन प्रकाशन कानपुर
3- अनुवाद चिंतन और विमर्श – डॉ. श्रीनारायण समीर - लोकभारती इलाहाबाद
4- अनुवाद समस्याएं एवं समाधान-प्रो अर्जुन चह्वाण - अमन प्रकाशन कानपुर

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	अनुवाद का अर्थ स्वरुप और प्रकारों का ज्ञान होगा।
CO2	अनुवाद की प्रकृति, उपयोगिता एवं आवश्यकता को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली भाषा में अनुवाद को दैनिक व्यवहार में प्रयोग करेंगे।
CO4	अनुवाद की प्रक्रिया, प्रकार और समस्याओं का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	अनुवादक की इकाइयों का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली भाषा में व्यावहारिक अनुवाद का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	2	2	2	2	3	1	2	2	2	2	2	2	1
CO2	3	1	2	-	2	2	2	-	2	1	2	1	2	1	1	2
CO3	3	-	1	3	1	-	2	2	-	2	2	2	1	2	2	1
CO4	3	2	-	1	-	2	1	1	2	-	2	-	2	1	2	2
CO5	3	2	2	2	2	1	2	-	2	2	1	2	-	2	2	-
CO6	3	2	1	-	2	2	1	1	2	2	-	-	2	2	1	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	**IstInternal (Assignment)**	**IInd Internal (Written Exam)**	**External (ESE)**
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 106			
Course Name	: गढ़वालीकथासाहित्य			
Semester /Year	: I SEMESTER/ I YEAR			
L	**T**	**P**	**C**	
2	1	0	3	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालीलेखकोंद्वारागद्यकीविविधविधाओंकापरिचयकरवानेकेलिए।
2- गढ़वालीलोकगाथाओंकापरिचय।
3- गढ़वालकीशिक्षाप्रदकहानियोंकेगहनअध्ययनकेलिए।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 गढ़वालीकथा साहित्यकीविशेषताएंएवंकथाकार

इकाई-2 भाग्यरेखा (हिमालयकाआंचलिकउपन्यास) - डॉविनयकुमारडबराल 'रजनीश'

इकाई-3 खाडूलापता(नाटक) - ललितमोहनथपलियाल

इकाई-4 गैत्रीकीब्वे (कथासंग्रह) - सुदामाप्रसादप्रेमी

पाठ्य पुस्तक :-

1- भाग्यरेखा- डॉविनयकुमारडबराल 'रजनीश'
2- खाडूलापता - मोहनथपलियाल
3- गैत्रीकीब्वे- सुदामाप्रसादप्रेमी

संदर्भ पुस्तक :-

1-गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दन
2- लोकसाहित्यऔरलोकसंस्कृति - डॉ.रामनिवासश्रीवास्तव
3- लोकसाहित्यकेप्रतिमान - कुन्दनलालउप्रेती

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली कथा साहित्य का ज्ञान होगा।
CO2	साहित्य के माध्यम से यथार्थ की समस्याओं को समझेंगे।
CO3	साहित्य लेखन को दैनिक व्यवहार में प्रयोग करेंगे।
CO4	कथा साहित्य का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गद्य की विधाओं का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	कहानी, उपन्यास, नाटक का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	3	2	2	3	3	2	2	3	3	2	2	2	1
CO2	3	2	2	1	2	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	1	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	-	2	2	-	2	1	-	2	-	-	1	1	2
CO5	3	2	2	2	-	1	2	-	2	2	1	2	2	2	2	-
CO6	3	2	2	2	2	2	1	1	2	2	2	1	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	**IstInternal (Assignment)**	**IInd Internal (Written Exam)**	**External (ESE)**
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 201			
Course Name	: गढ़वालीभाषा:उत्पत्तिऔरविकास			
Semester /Year	: II SEMESTER/ I YEAR			
L	**T**	**P**	**C**	
2	1	0	3	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालीभाषाकीशब्दसीमाओंकोसमझनेकेलिए।
2- गढ़वालीसाहित्यकाइतिहासऔरकालविभाजनकेसंदर्भमें।
3- गढ़वाली, हिंदीऔरअन्यबोलियोंकेपारस्परिकसंबंधकोजानना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वालीभाषा:शब्दकीव्युत्पत्ति, विभिन्नमतएवंमानकवर्तनी
(ii)गढ़वालीकीऐतिहासिक, धार्मिक, भौगोलिक, सामाजिकपृष्ठभूमि

इकाई-2

(i)गढ़वालीकीविभिन्नबोलियां:सामान्यपरिचय, भाषिकविशेषताएंएवं तुलनात्मकअध्ययन
(ii)गढ़वालीभाषाकाइतिहास:उद्भव, विकासएवं कालविभाजन

इकाई-3

(i)गढ़वालीसाहित्यकाइतिहास:कालविभाजन
(ii)साहित्यिकप्रवृत्तियां,विशेषताएंएवंविशिष्टरचनाकार

इकाई- 4

(i) गढ़वालीसाहित्यकारोंकाहिंदीभाषामेंयोगदान , हिंदीसाहित्यकारोंकागढ़वालीभाषामेंयोगदान
(ii)गढ़वालीएवंउत्तराखंडकीअन्यभाषाओंकाअंत:सम्बन्ध

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दनप्रसादकाला

2- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्ट'शैलेश'
3- उत्तराखंडकीलोकभाषायें (गढ़वाली - कुमाऊनी - जौनसारी) - डॉ. अचलानंदजखमोला

संदर्भ पुस्तक :-

1- गढ़वाली - हिंदी - अंग्रेजीशब्दकोश - संस्कृतिविभागउत्तराखंड
2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष–डॉ.अचलानंद
3- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन - डॉ.जगदीशप्रसादनौडियाल

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली भाषा की उत्पत्ति और विकास का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाल की पृष्ठभूमि को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली की विभिन्न बोलियों को अपने दैनिक व्यवहार में प्रयोग करेंगे।
CO4	गढ़वाली भाषा के इतिहास और साहित्य का विश्लेषण करेंगे।
CO5	साहित्यकारों का हिंदी और गढ़वाली में योगदान का संश्लेषण करेंगे।
CO6	गढ़वाली एवं उत्तराखंड की अन्य भाषाओं का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	2	2	3	1	2	2	2	2	2	2	1
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	1	3	2	-	2	2	-	2	-	1	-	2	2	-
CO4	3	2	-	1	1	2	-	1	2	-	2	-	2	1	2	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	-	2	-
CO6	3	2	1	2	2	2	1	2	2	2	2	-	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I[st]Internal (Assignment)	II[nd] Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 202				
Course Name	: गढ़वालीसाहित्यकाइतिहास				
Semester /Year	: II SEMESTER/ I YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालीसाहित्यकीविकासयात्राकेकालखंडकोसमझनेकेलिए।
2-गढ़वालीसाहित्यमेंगद्यकीविविधविधाओंकेयोगदानकोजानना।
3- गढ़वालीलोकसाहित्यमेंजीवनमूल्योंकामहत्व

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वालीसाहित्यकेइतिहासकीविकासयात्रा (प्राचीन, स्वतंत्रतापूर्व, स्वातंत्र्योत्तरकाल)
(ii) गढ़वालीकालोकसाहित्य

इकाई-2

(i) गढ़वालीसाहित्यकालालित्य
(ii)गढ़वालीसाहित्यऔरसमालोचना

इकाई-3

(i) गढ़वालीसाहित्य(उपन्यास,कविता,निबंध,रिपोर्ताज, संस्मरण, साक्षात्कार, व्यंग्य, नाटक,लघुकथा)
(ii)गढ़वालीकीसाहित्यिकपत्रकारिताऔरसमीक्षा

इकाई- 4

(i)गढ़वालीसाहित्यमेंजीवनमूल्य- (i) गढ़वाली कथा साहित्य में
(ii)गढ़वाली काव्य साहित्य में

पाठ्य पुस्तक :-

1- उत्तराखंडकानवीनइतिहास - डॉ.यशवंतसिंहकठोच

2- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्ट'शैलेश'
3- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य–डॉ.जनार्दन
4- गढ़वालीभाषाअरसाहित्यकिविकासजात्रा - संदीपरावत

संदर्भ पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉ.अचलानंद
2- गढ़वालीगद्यकीपरंपरा - डॉ.अनिलडबराल
3- संस्कृतिसंगमउत्तरांचल: कुमाऊं -
गढ़वालकीलोकसंस्कृतिऔरपर्वतीयभाषाकेउद्भवऔरविकासकाइतिहास - यमुनादत्तवैष्णव 'अशोक'
4- गढ़वालऔरगढ़वाल - इतिहास, पुरातत्व, भाषा - साहित्यएवंसंस्कृतिपरकेन्द्रित - चंद्रपालसिंहरावत

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली साहित्य के इतिहास की विकास यात्रा का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाली लोक साहित्य को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली साहित्य और समालोचना का प्रयोग करेंगे।
CO4	गढ़वाली साहित्य की विधाओं का विश्लेषण करेंगे।
CO5	गढ़वाली की साहित्यिक पत्रकारिता का संश्लेषण करेंगे।
CO6	गढ़वाली साहित्य में जीवन मूल्यों का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	2	2	2	2	3	1	2	2	2	2	2	2	1
CO2	3	2	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	1	3	2	-	1	2	-	2	-	1	-	2	2	-
CO4	3	1	-	1	1	2	-	1	2	-	2	-	2	1	2	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	-	2	-
CO6	3	2	2	2	2	2	1	2	2	2	2	-	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	**IstInternal (Assignment)**	**IInd Internal (Written Exam)**	**External (ESE)**
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 203			
Course Name	: गढ़वालीभाषाकाव्य (प्रथम भाग)			
Semester /Year	: II SEMESTER/ I YEAR			
L	**T**	**P**	**C**	
2	1	0	3	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालीभाषाकेकविऔरउनकीकृतियोंकापरिचय।

2- गढ़वालीकवियोंकासाहित्यिकअवदान।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)मन्दाकिनीगीत-चंद्रकुंवरबर्त्वाल

(ii)समौणवबुझौण (पदसंख्या 15-25) - सर्वेश्वरदत्तकांडपाल

इकाई-2

(i)झांकीयेगढ़वालकी - धर्मानंदउनियाल

(ii)पर्यावरण–डॉ.उमाशंकरथपलियाल 'समदर्शी'

इकाई-3

(i)अपणोंउत्सवकविता - उमाशंकरबडोनी(पृष्ठ संख्या- 53) 06 पद

(ii)आखिरीरैबार - तोतारामढौंडियाल

इकाई-4

(i)मैंपहाड़ेकिनारिछौं- प्रो.दिनेशचमोला 'शैलेश'

पाठ्य पुस्तक :-

1- समौणवबुझौण(कवितासंग्रह) (पदसंख्या 15-30) -सर्वेश्वरदत्तकांडपाल

2- झांकीयेगढ़वालकी - धर्मानंदउनियाल

3- गौंकिलेउजड़नाछन–डॉ.उमाशंकरथपलियाल 'समदर्शी'

4-'माटीकेफूल'गढ़वालीखंडकाव्य- उमाशंकरबडोनी

5-हमरोहक(कवितासंग्रह) -तोतारामढौंडियाल 'जिज्ञासु'
6- बौगलुमाटुत (कवितासंग्रह) - प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'

संदर्भ पुस्तक :-

1-चंद्रकुंवर बर्त्वाल का कविता संसार- डॉ उमाशंकर सतीश
6- उत्तराखंड के काव्य साहित्य का इतिहास- डॉ प्रेमदत्त चमोली

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली काव्य का ज्ञान होगा।
CO2	साहित्य के माध्यम से प्रकृति और पर्यावरण के मध्य सामंजस्य को समझेंगे।
CO3	काव्य लेखन को दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	गढ़वाली लेखकों का अपनी भाषा के प्रति प्रेम का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली लेखकों के साहित्य का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली कविताओं का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	3	-	2	3	1	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	2	2	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	1	2	2	-	2	2	-	2	-	2	1	2	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	2	1	-
CO6	3	2	-	-	2	2	1	2	2	2	2	2	2	-	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I[st]Internal (Assignment)	II[nd] Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 204			
Course Name	: गढ़वालीगद्यसाहित्य			
Semester /Year	: II SEMESTER/ I YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालकेऐतिहासिकनाटकोंकाअध्ययन।
2- पौराणिकआख्यानोंसेसंबंधितनाटककाअध्ययन।
3- गढ़वालीलेखकोंद्वारारचितवर्तमानसमयमेंचलरहीसमस्याओंकोकहानीकेमाध्यमसेजानना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वालीकेप्रमुखलेखक:परिचयएवंरचनाएं

इकाई-2

(i)भुगत्यूँभविष्य (उपन्यास) - अबोधबन्धुबहुगुणा

इकाई-3

(i)'मलेथाकीकूल' (नाटक) - जीतसिंहनेगी
(ii)भक्तप्रह्लाद (नाटक) - भवानीदत्तथपलियाल

इकाई- 4

(i)बक्कितुमारिमर्जी(गढ़वालीव्यंग्यसंग्रह)-नरेन्द्रकठैत
(ii)नथुलू (कहानी संग्रह)- डॉ.उमेशचंद्रनैथानी

पाठ्य पुस्तक :-

1-'मलेथाकीकूल' - जीतसिंहनेगी
2-भक्तप्रह्लाद - भवानीदत्तथपलियाल

3-बक्कितुमारिमर्जी-नरेन्द्रकठैत
4-नथुलू- डॉ.उमेशचंद्रनैथानी

संदर्भ पुस्तक :-

1- गढ़वाली- हिंदी- अंग्रेजीशब्दकोश - संस्कृतिविभागउत्तराखंड
2- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दनप्रसादकाला

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली गद्य साहित्य का ज्ञान होगा।
CO2	गद्य की विविध विधाओं को समझेंगे।
CO3	कहानी, उपन्यास, नाटक लेखन को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करेंगे।
CO4	साहित्य के माध्यम से समाज में चल रही समस्याओं का विश्लेषण हुआ।
CO5	गढ़वाली गद्य की विधाओं का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली गद्य का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	3	2	2	3	3	2	2	3	3	2	2	2	1
CO2	3	2	2	1	2	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	1	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	-	2	2	-	2	1	-	2	-	-	1	1	2
CO5	3	2	2	2	-	1	2	-	2	2	1	2	2	2	2	-
CO6	3	2	2	2	2	2	1	1	2	2	2	1	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I[st]Internal (Assignment)	II[nd] Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 205			
Course Name	: प्रयोजनमूलकगढ़वाली			
Semester /Year	: II SEMESTER/ I YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालीभाषाकोप्रयोगात्मकरुपमेंप्रयुक्तकरना।

2- पत्र, निबंध, कहानी, सूचना, डायरी, विज्ञापन, भाषण, संवाद, रिपोर्ट, अनुच्छेद, संदेश, निमंत्रणआदिकागढ़वालीभाषामेंलेखनका अभ्यास।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 प्रयोजनमूलकगढ़वाली : अर्थ, स्वरुपएवंमहत्व

इकाई-2 प्रयोजनमूलकगढ़वालीकेविविधरुप (व्यावसायिकगढ़वाली, वाणिज्यिक, साहित्यिक, विधिक, वैज्ञानिक, जनसंचारी)

इकाई-3 गढ़वालीमेंपत्रव्यवहार - टिप्पणलेखन/ प्रारूपणलेखन

इकाई-4सूचना/अधिसूचना,विज्ञापनलेखन,संवादलेखन,रिपोर्टलेखन,सारलेखन,फीचरलेखन, वृत्तचित्रलेखन (डॉक्यूमेंट्री), कहानीलेखन, भाषणलेखन,संदेशलेखन,समाचारलेखन

पाठ्य पुस्तक :-

1- प्रयोजनमूलकप्रशासनिकहिंदी–प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'

2- प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद - डॉ रामगोपाल सिंह जादौन

संदर्भ पुस्तक :-

1- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी

2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष–डॉ.अचलानंद

3- अनुवादऔरअनुप्रयोग–प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'

4- अपडीबोलीअपडीभाषाकुमाउँनी गढ़वाली - शंकर सिंह भाटिया

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	प्रयोजनमूलक गढ़वाली के अर्थ, स्वरुप और महत्व का ज्ञान होगा।
CO2	प्रयोजनमूलक गढ़वाली के विविध रूपों को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली में पत्र व्यवहार को दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	गढ़वाली में सूचना, विज्ञापन, संवाद, रिपोर्ट लेखन आदि का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली में कहानी, भाषण, संदेश, समाचार लेखन का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	प्रयोजनमूलक गढ़वाली का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	2	3	2	2	3	1	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	1	2	-	2	1	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	2	3	2	-	-	3	-	2	-	-	2	2	2	2
CO4	2	2	-	2	1	2	1	2	2	-	3	2	-	2	2	1
CO5	3	2	2	2	-	1	2	1	2	2	2	2	2	2	2	2
CO6	3	2	2	-	2	2	1	1	2	2	-	1	2	-	1	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 206			
Course Name	: सांस्कृतिकपर्यटन			
Semester /Year	: II SEMESTER/ I YEAR			
L	**T**	**P**	**C**	
2	1	0	3	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- उत्तराखंडमेंसांस्कृतिकपर्यटनकामहत्वजानना।
2- पर्यटनमेंसरकारकीभूमिका
3- व्यवसायकेरुपमेंपर्यटनकाअध्ययनकरना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i) पर्यटन:परिभाषा,घटकएवंप्रकार
(ii)पर्यटनकेआर्थिक, सामाजिकऔरसांस्कृतिकप्रभाव
(iii)राष्ट्रीयएवंअंतर्राष्ट्रीयपर्यटनमेंसरकारकीभूमिका

इकाई-2

(i)उत्तराखंडकीसांस्कृतिकविरासतएवंप्रमुखपर्यटनस्थलोंकाअध्ययन
(ii)गढ़वालकेप्रमुखधार्मिकस्थलोंएवंप्रयागोंकाअध्ययन
(iii)उत्सव,कलाएं, संगीतएवंवाद्ययंत्र

इकाई-3

(i)पर्यटनऔरआर्थिकी, उत्तराखंडमेंपर्यटनउद्योगऔरभावीसंभावनाएं
(ii)होटलउद्योग: विकासएवंप्रकार
(iii)पर्यटनपैकेज : ट्रैवलएजेंसी / यात्राकार्यक्रम / पैकेजटूरएवंट्रैवलएजेंसीप्रचालनसेवाएं

इकाई- 4

(i) इको–टूरिज्मएवंपर्यटनकेअन्यप्रकार
(ii)दर्शनीयपर्यटनस्थलएवंसमृद्धप्राकृतिकसम्पदा(वन्यजीवअभ्यारण्य, राष्ट्रीयउद्यान)

(iii)पर्यटनएवंनवाचार(चिकित्सापर्यटन, हाइडलपर्यटन, चायपर्यटन, स्वास्थ्यपर्यटन, स्वैच्छिकपर्यटन)

पाठ्य पुस्तक :-

1-उत्तराखंडकेधार्मिकएवंसांस्कृतिकपर्यटनस्थल - डॉक्टरजोधसिंहनेगी
2- संस्कृतिसंगमउत्तरांचल-यमुनादत्तवैष्णव'अशोक'
3- नंदादेवीउत्तराखंडकीदेवी - नंदाराजजातप्रथमसंस्करण - रमाकांतबेंजवाल
4- नंदाराजजात - उत्तराखंडमेंनंदादेवीकाउत्सवएवंजातपरंपरा
5- पर्यटनऔरहोटलप्रबंधन, अनमोलप्रकाशन, नईदिल्ली

संदर्भ पुस्तक :-

1- फूलोंकीघाटी - गिरिराजशाह
2- उत्तराखंडकीसंतपरंपरा - गिरिराजशाह
3- तराईकीपरंपरा - शैलेशमैटियानी

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाल में सांस्कृतिक पर्यटन का बोध होगा।
CO2	पर्यटन के प्रभावों को समझेंगे।
CO3	पर्यटन को व्यवसाय और मनोरंजन की दृष्टि से प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाल के उत्सव, कलाएं, संगीत एवं वाद्ययंत्रों का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग और भावी संभावनाओं का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	3	2	2	3	2	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	1	2	-	2	1	2	2	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	2	-	1	3	2	-	-	3	-	2	-	-	2	-	2	2
CO4	3	2	-	2	1	2	2	2	2	-	3	2	-	2	-	2
CO5	2	-	2	2	-	1	2	-	2	2	2	2	2	2	2	2
CO6	3	2	2	-	2	2	1	2	2	2	-	1	2	2	1	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	**IstInternal (Assignment)**	**IInd Internal (Written Exam)**	**External (ESE)**
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 301			
Course Name	: गढ़वालीलोकसाहित्य			
Semester /Year	: III SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालमेंप्रचलितगाथाओंऔरकथाओंकासमुचितज्ञानप्राप्तकरनेकेलिए।
2- पुराणोंसेसंबंधिततथ्योंकेगहनअध्ययनकेलिए।
3- लोकप्रचलितलोकोक्तिऔरमुहावरोंकीजानकारीकेलिए।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वालीकाप्रकाशित और अप्रकाशितसाहित्य
(ii)गढ़वालीसाहित्यमेंगीतवैविध्य

इकाई-2

(i)गढ़वालीलोकगाथा-जीतूबगड़वाल, तीलूरौतेली, माधोसिंहभंडारीकीगाथाआदि।
(ii)गढ़वालीपौराणिकगाथा - जागर, कृष्णगाथा, देवगाथा, पांडवगाथाएआदि।

इकाई-3

(i)गढ़वालीलोककथा:प्रवृत्ति एवंप्रकार
(ii)गढ़वालीलोकनाट्य

इकाई-4

(i)गढ़वालीलोकनृत्य
(ii)गढ़वालीआणाएवंपखाणा(लोकोक्तिएवंपहेली)

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्ट'शैलेश'
2- गढ़वालीलोकसाहित्यकासंदर्भ–डॉ.गोविंदचातक

3-गढ़वालीलोकसाहित्यकाविवेचनात्मकअध्ययन- मोहनलालबाबुलकर
4- गढ़वालीलोकमानस–डॉ.शिवानंदनौटियाल

संदर्भ पुस्तक :-

1- लोककाबाना - संदीपरावत
2- लोकसाहित्यविज्ञान–डॉ.सत्येन्द्रप्रकाशक
3- गढ़वाल हिमालय - रमाकांत बेंजवाल
4-उत्तराखंड के लोक-जीवन की समृद्ध परम्परा औखांण' (लोक- कहावत) -डॉ. वेणीराम अन्थवाल

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली के प्रकाशित और अप्रकाशित साहित्य बोध हुआ।
CO2	गढ़वाली साहित्य में गीत विधा को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली लोकगाथा और पौराणिक गाथाओं का नाट्य रूपांतरण दैनिक व्यवहार में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	गढ़वाली लोककथाओं का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली लोकनाट्य का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली लोक साहित्य का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	3	2	3	2	2	2	2	2	2	2	1
CO2	3	2	2	-	1	2	2	-	2	1	2	1	1	2	1	2
CO3	2	-	2	3	2	-	1	2	-	2	2	2	2	2	2	1
CO4	3	2	-	2	1	2	-	2	1	2	-	-	2	1	2	2
CO5	3	1	2	2	2	1	2	2	2	2	2	2	1	-	2	2
CO6	3	-	1	-	2	2	2	1	2	2	1	-	2	2	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 302			
Course Name	: गढ़वालमेंसांस्कृतिकसंचारऔरभाषाईपत्रकारिता			
Semester /Year	: III SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालमेंपत्रकारिताकाइतिहासजानना।
2- गढ़वालीपत्र - पत्रिकाओंकाअध्ययनकरना।
3- संचारकेमाध्यमोंकाविस्तृतअध्ययनकरना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)संचार:अर्थ, परिभाषा, प्रक्रिया,भूमिकाएवंप्रकार
(ii)साहित्यिकएवंसांस्कृतिकपत्रकारिता

इकाई-2

(i)भाषाईपत्रकारिता:अर्थ, स्वरुप, विकासएवंभविष्य
(ii)गढ़वालीपत्रकारिताकाइतिहास: एकसिंहावलोकन

इकाई-3

(i)सांस्कृतिकसमुन्नयनएवं गढ़वाली पत्रकारिता
(ii)गढ़वालीक्षेत्रकीपत्रकारिताऔरगढ़वालीक्षेत्रसेइतरपत्रकारिता

पाठ्य पुस्तक :-

1- उत्तराखंडमेंपत्रकारिताकाइतिहास - शक्तिप्रसादसकलानी
2- गढ़वालमेंपत्रकारिताऔरहिंदीसाहित्य - डॉक्टरउमाशंकरथपलियाल 'समदर्शी'
3- स्वाधीनताआंदोलनमेंउत्तराखंडकीपत्रकारिता - जयसिंहरावत
4- उत्तराखंडमेंजन - जागरणऔरआंदोलनोंकाइतिहास - डॉयोगेशधस्माना

संदर्भ पुस्तक :-

1- हिंदीपत्रकारिता, भारतीयज्ञानपीठनईदिल्ली - कृष्णबिहारीमिश्र
2- हिंदीपत्रकारिताकेनएआयाम - विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी - बचनसिंह

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली पत्रकारिता का बोध होगा।
CO2	संचार का अर्थ, प्रक्रिया, भूमिका और प्रकार को समझेंगे।
CO3	साहित्यिक और सांस्कृतिक पत्रकारिता को दैनिक व्यवहार में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	भाषाई पत्रकारिता का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	सांस्कृतिक पत्रकारिता एवं गढ़वाली पत्रकारिता का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली क्षेत्र की पत्रकारिता और गढ़वाली क्षेत्र से इतर पत्रकारिता का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2	3	3	3	2	2	2
CO2	3	2	1	-	1	2	1	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	2	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	2	2	2	1	2	2	-	2	2	2	2	-	1	1	-	1
CO5	3	2	2	2	2	1	2	1	1	2	2	2	2	2	1	2
CO6	3	2	-	1	2	2	1	2	2	2	-	1	2	2	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I[st]Internal (Assignment)	II[nd] Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	20	20	60

Course code	: MGLC- 303			
Course Name	: गढ़वालीभाषाकाव्य (द्वितीय भाग)			
Semester /Year	: III SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालीभाषाकेकविऔरउनकीकृतियोंकापरिचय।

2- गढ़वालीकवियोंकासाहित्यिकअवदान।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)सान ना बाच - वीणापाणि जोशी

(ii)तुमबौडीकआवापहाड़- नीताकुकरेती

इकाई-2 (i)कन मा जौलु सौरास - डॉ माधुरी बड़थ्वाल

(ii)ब्वे - गणेशखुगशाल 'गणि'

इकाई-3

(i)इनमाकनकेआणबसंत - वीरेंद्रपंवार

(ii)चिट्ठी - मदनमोहनडुकलान

पाठ्य पुस्तक :-

1-मेरीअग्याल(कवितासंग्रह) - नीताकुकरेती

2- वूं मा बोली दे(कवितासंग्रह) -गणेशखुगशाल 'गणि'

3-इनमाकनकेआणबसंत(कवितासंग्रह) - वीरेंद्रपंवार

4-आंदिजांदिसांसें(कवितासंग्रह) - मदनमोहनडुकलान

संदर्भ पुस्तक :-

1- आखर (दिशा-धियान्यूं को पैलो वृहद् गढ़वळि कविता संग्रै)- सम्पादक संदीप रावत,गीतेश सिंह नेगी

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली भाषा काव्य का ज्ञान होगा।
CO2	साहित्य के माध्यम से पहाड़ की व्यथा को समझेंगे।
CO3	काव्य लेखन को दैनिक व्यवहार में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	गढ़वाली लेखकों के साहित्य का तुलनात्मक विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली साहित्य का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	समस्त साहित्यकारों के साहित्य का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	1	3	2	2	3	1	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	2	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	2	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	2	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	1	1	-	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	1	2	2	2	2	2	2	1	1
CO6	3	2	1	1	2	2	1	2	2	2	-	2	2	-	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	**IstInternal (Assignment)**	**IInd Internal (Written Exam)**	**External (ESE)**
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLE- 304 (I)			
Course Name	: गढ़वालीसाहित्यमंजूषा(विकल्प -1)			
Semester /Year	: III SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालीसाहित्यकापरिचयकरवाना।
2- गद्यऔरकाव्यकाअध्ययन।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

<u>पद्यभाग</u>

इकाई-1

(i)डालीमाटी - जीवानन्दश्रीयाल (प्रारम्भकी 02कविता)
(ii)प्रेमीपथिक - पंतोताकृष्णगैरोला(प्रारंभके 10 छन्द)

इकाई-2

(i) भूम्याल - अबोधबंधुबहुगुणा (प्रथम सर्ग)
(ii)देववणकोवर्णन - चंद्रमोहनरतूड़ी(प्रारम्भकी 02कविता)

<u>गद्यभाग</u>

इकाई-3

(i)धारमाकिगैणी - डॉशिवानंदनौटियाल
(ii) न्यौनिसाब - मोहनलालनेगी

इकाई-4

(i)खबेश - प्रेमलालभट्ट
(ii)स्वराजअरजनानी - प्रोभगवतीप्रसादपांथरी

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीलोकमानस – डॉ.शिवानंदनौटियाल
2- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य – डॉ.हरिदत्तभट्ट 'शैलेश'

3- गढ़वालकाइतिहास - हरिकृष्णरतूड़ी

संदर्भ पुस्तक :-

1- गढ़वालऔरगढ़वाल - संपादक - चंद्रपालसिंहरावत , डॉ.तिवारी, एवंगणी
2- गढ़वालीलोकसाहित्यकाविवेचनात्मकअध्ययन - मोहनलालबाबुलकर

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली भाषा के गद्य और पद्य का बोध होगा।
CO2	गढ़वाली साहित्य के माध्यम से उत्तराखंड के नैसर्गिक सौंदर्य को समझ पाएंगे।
CO3	गद्य और पद्य लेखन को दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	गद्य और पद्य का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गद्य और पद्य का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वालीकाव्य और गद्य का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	1	3	-	2	3	1	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	-	2	-	2	2	2	-	2	1	2	2	2	1	-	-
CO3	3	2	2	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	2	1	2	-	2	1	-	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	2	1	-
CO6	3	2	-	-	2	2	1	1	2	2	-	1	2	-	2	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I[st]Internal (Assignment)	II[nd] Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLE- 304 (II)			
Course Name	: कुमाउनीभाषाएवं व्याकरण(विकल्प -2)			
Semester /Year	: III SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- छात्रोंकोकुमाउनीभाषाकेव्याकरणकाज्ञानउपलब्धकरवानेकेलिए।

2- कुमाउनीवाक्यनिर्माणकेसमुचितअध्ययनकेलिए।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i) कुमाउनी का व्याकरणिक स्वरुप वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी

(ii)कुमाउनीकाभाषिकस्वरुप: शब्दरचना(उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संधि)

इकाई-2

(i)शब्दविचार: शब्दऔरपद, कुमाउनीशब्दोंकीरूपरचना - विकारीऔरअविकारीशब्द

(ii)कुमाउनीशब्दोंकावर्गीकरण (क) रचनाकेआधारपर - रूढ़, यौगिक, योगरूढ़

(ख) अर्थकेआधारपर - तत्सम, तद्भव, देशी, देशज, स्थानीय, विदेशीऔरसंकर

इकाई-3

(i) वाक्य : परिभाषा, कुमाउनीवाक्यरचना,वाक्यभेद, वाक्यविशेषण, वाक्यसंश्लेषण, सामान्यअशुद्धियां, शुद्धवाक्य

(ii)कुमाउनीवाक्योंकेविशिष्टप्रकार

इकाई-4

(i)विरामचिह्न

(ii)कुमाउनीकहावतें, मुहावरेएवंपहेलियां

पाठ्य पुस्तक :-

1- डॉ भवानीदत्त कांडपाल - कुमाउनी का संस्कृत मूलक व्याकरण,भाषा विज्ञान एवं साहित्य
2- डॉ देव सिंह पोखरिया व डॉ भगत सिंह - कुमाउनी भाषा का उद्भव व विकास और उसका भाषा वैज्ञानिक अध्ययन

संदर्भ पुस्तक :-

1- डॉ भवानीदत्त उप्रेती - कुमाउनी भाषा का अध्ययन

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	व्याकरण संबंधित नियमों का ज्ञान होगा।
CO2	कुमाउनी व्याकरण की बारीकियों को समझेंगे।
CO3	व्याकरण संबंधित नियमों से परिचित होकर कुमाउनीशब्दों को प्रयोग करेंगे।
CO4	वाक्य विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	कुमाउनी शब्दों का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	कुमाउनी व्याकरण के सभी रुपों का मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	1	2	2	3	2	-	1	2	-	2	2	3	2	2	2
CO2	3	2	1	-	2	2	2	-	2	1	-	2	3	2	2	1
CO3	3	2	-	2	-	1	-	3	-	-	2	-	3	2	1	1
CO4	3	1	-	1	2	2	2	-	2	1	2	2	3	1	1	1
CO5	3	2	1	2	-	3	1	2	1	2	-	1	3	2	2	2
CO6	3	2	-	2	1	-	2	-	-	1	3	1	3	1	1	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	**IstInternal (Assignment)**	**IInd Internal (Written Exam)**	**External (ESE)**
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLE- 305 (I)			
Course Name	: गढ़वालीगद्यमंजूषा(विकल्प -1)			
Semester /Year	: III SEMESTER/ II YEAR			
L	**T**	**P**	**C**	
2	1	0	3	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालीगद्यकीविभिन्नविधाओंसेअवगतकराना।
2- गढ़वालीलेखकोंकासाहित्यमेंयोगदानस्पष्ट करना ।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वालीगद्यकासामान्यपरिचय
(iii)हुंगरा (सौ सालै कथा जात्रा)- मदन मोहन डुकलाण, गिरीश सुन्दरियाल

इकाई-2 अबक्याहोलु(नाटक) - कुलानन्दघनशाला

इकाई-3 निमाणी (उपन्यास) - नित्यानंदमैठाणी

इकाई-4 घरजवैं (एकांकी)-ललितमोहनथपलियाल

पाठ्य पुस्तक :-

1- हुंगरा (सौ सालै कथा जात्रा)- मदन मोहन डुकलाण, गिरीश सुन्दरियाल
2- अबक्याहोलु(नाटक) - कुलानन्दघनशाला
3- निमाणी (उपन्यास) - नित्यानंदमैठाणी
4- घरजवैं (एकांकी)-ललितमोहनथपलियाल

संदर्भ पुस्तक :

1-गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दन
2- लोकसाहित्यऔरलोकसंस्कृति - डॉ.रामनिवासश्रीवास्तव

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गद्य के सामान्य परिचय का ज्ञान हुआ।
CO2	साहित्य के माध्यम से समाज की यथार्थ समस्याओं को समझेंगे।
CO3	साहित्य लेखन को दैनिक व्यवहार में प्रयोग करेंगे।
CO4	गढ़वाली लेखकों का अपनी भाषा के प्रति प्रेम का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गद्य की विधाओं का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	3	2	2	3	3	2	2	3	3	2	2	2	1
CO2	3	2	2	1	2	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	1	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	-	2	2	-	2	1	-	2	-	-	1	1	2
CO5	3	2	2	2	-	1	2	-	2	2	1	2	2	2	2	-
CO6	3	2	2	2	2	2	1	1	2	2	2	1	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I[st]Internal (Assignment)	II[nd] Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	20	20	60

Course code	: MGLE- 305 (II)			
Course Name	: कुमाउनी साहित्य का इतिहास(विकल्प -2)			
Semester /Year	: III SEMESTER/ II YEAR			
L	**T**	**P**	**C**	
2	1	0	3	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- कुमाऊंसेसंबंधितसम्पूर्णराजनीतिक, ऐतिहासिकऔरसामाजिकपरिस्थितियोंकेविस्तृतअध्ययनकेलिए।

2- कुमाउनीसाहित्यकीविकासयात्राकेकालखंडकोसमझनेकेलिए।

3-कुमाउनीसाहित्यमेंगद्यकीविविधविधाओंकेयोगदानकोजानना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 कुमाउनी साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

इकाई-2 कुमाउनी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन - प्रारंभिक काल, मध्यकाल, आधुनिक काल

इकाई-3 प्रत्येक युग की साहित्यिक प्रवृत्तियां एवं विशेषताएं,प्रत्येक युग की मुख्य विधाएं और रचनाकार

इकाई-4 कुमाउनी लेखकों का कुमाउनी साहित्य और हिंदी साहित्य में योगदान

पाठ्य पुस्तक :-

1- कुमाऊं का इतिहास - बद्री दत्त पांडे

2- कुमाउनी भाषा और उसका साहित्य - डॉ त्रिलोचन पांडे

संदर्भ पुस्तक :-

1- कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति - डॉ केशवदत्त रुवाली

2- जनपदीय भाषा साहित्य - डॉ शेर सिंह बिष्ट एवं डॉ सुरेन्द्र जोशी

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	कुमाउनी भाषा के इतिहास का ज्ञान होगा।
CO2	कुमाउनी साहित्य की पृष्ठभूमि को समझेंगे।
CO3	कुमाउनी की विभिन्न बोलियों को अपने दैनिक व्यवहार में प्रयोग करेंगे।
CO4	कुमाउनीभाषा के इतिहास और साहित्य का विश्लेषण करेंगे।
CO5	कुमाउनी साहित्यकीसाहित्यिक प्रवृत्ति एवं विशेषताओं का संश्लेषण करेंगे।
CO6	कुमाउनी लेखकों का कुमाउनी साहित्य और हिंदी साहित्य में योगदानका मूल्यांकन करेंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	2	2	3	2	3	2	2	3	3	3	2	2	2
CO2	3	2	2	-	1	2	1	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	2	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	1	1	-	1
CO5	2	1	2	2	2	1	2	1	1	2	2	2	2	2	1	2
CO6	3	2	2	1	2	2	1	2	2	1	-	1	2	2	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	**IstInternal (Assignment)**	**IInd Internal (Written Exam)**	**External (ESE)**
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLE- 306 (I)			
Course Name	: गढ़वालीलोकगीत: स्वरुपएवंसाहित्य(विकल्प -1)			
Semester /Year	: III SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- छात्रोंकोगढ़वालीलोकगीतोंकापरिचयकरवाना।
2- गढ़वालीसाहित्यमेंलोकगीतोंकामहत्व।
3- गढ़वालीसमाजमेंलोकगीतोंकीभूमिकाजानना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वालीलोकगीतोंकीउत्पत्ति
(ii)लोकशब्दकाअर्थएवंलोकगीतोंकापरिचय

इकाई-2

(i)गढ़वाली लोकगीतोंकीविशेषताएंएवंवर्गीकरण (गढ़वाली पंवाडा, जागर, पांडवनृत्य, औजी-वादी, लोकवाद्य, ढोलसागर)
(ii)लोकगीतोंकासंगीत: संयोजन

इकाई-3

(i)लोकगीत एवं लोक पक्ष
(ii)लोकगीतोंकी भावसम्पदा
(iii)लोकगीतोंमेंनिरुपितलोकजीवन

इकाई-4

(i)गढ़वालीलोकगीत:सामाजिकसरोकार एवं रसयोजना
(ii)लोकगीतएवंसमाज
(iii)लोकगीतएवंप्रकृति
(iv)लोकगीतएवंसंस्कृति
(v)लोकगीतएवंआर्थिकी

(vi) लोकगीतएवंराष्ट्रीयचेतना
(vii)लोकगीतएवंनारीजीवन
(viii)लोकगीतएवं पर्यावरण चेतना
(ix)लोकगीतएवं मानवीय संवेदना

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य – डॉ.हरिदत्तभट्ट 'शैलेश'
2- गढ़वालीलोकसाहित्यमेंलोकोक्तियोंएवंलोकगीतोंकासामाजिकअध्ययन – डॉ.आशाबिष्ट
3- गढ़वालीलोकगीत – डॉ.गोविंदचातक
4- लोकगीतोंमेंरसयोजना – डॉ.शिवदयालजोशी

संदर्भ पुस्तक :-

1- उत्तराखंडकाइतिहास – डॉ.शिवप्रसादडबराल
2- गढ़वालकाइतिहास - पंडितहरिकृष्णरतूड़ी

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली लोकगीत के स्वरुप और साहित्य का बोध हुआ।
CO2	लोकगीतों की विशेषताओं और वर्गीकरण को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली लोकगीतों को दैनिक व्यवहार में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	लोकगीतों में निरूपित लोक जीवन का विश्लेषण हुआ।
CO5	लोकगीतों में रस योजना का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	लोकगीतों में सामाजिक सरोकार का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	2	2	3	1	2	3	3	3	2	2	2
CO2	3	2	2	-	1	2	1	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	2	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	1	1	2	2	2	2	2	2	2	-	1	1	2	1
CO5	2	2	2	2	2	1	-	1	1	2	2	2	2	2	1	-
CO6	3	2	-	2	2	2	1	2	2	1	2	1	2	-	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	20	20	60

Course code	**:** MGLE- 306 (II)			
Course Name	**:** कुमाउनी संस्कृति(विकल्प -2)			
Semester /Year	**:** III SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- कुमाऊंकीसंस्कृतिसेपरिचयकरवाना।

2- कुमाउनीसंस्कृतिकामहत्वजानना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 संस्कृति का अर्थ, परिभाषा और स्वरुप, सभ्यता और संस्कृति में अंतर

इकाई-2 कुमाउनी संस्कृति के विभिन्न आयाम - जाति प्रथा, वर्ण व्यवस्था, विविध संस्कार, लोक धर्म, देवी- देवता, पर्व-उत्सव एवं त्यौहार, ऐपण कला, लोक विश्वास

इकाई-3 कुमाउनी समाज और संस्कृति

इकाई- 4 कुमाउनी भाषा और संस्कृति

पाठ्य पुस्तक :-

1- कुमाउनी भाषा साहित्य और संस्कृति - डॉ देव सिंह पोखरिया

2- कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति - डॉ केशवदत्त रुवाली

संदर्भ पुस्तक :-

1- कुमाउनी लोकवार्ताएं- डॉ प्रयाग जोशी

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	संस्कृति का अर्थ, परिभाषा और स्वरुप, सभ्यता और संस्कृति में अंतरका बोध होगा।	
CO2	कुमाऊं के रीति रिवाजों को समझेंगे।	
CO3	कुमाउनी संस्कृति को अपने दैनिक व्यवहार में अनुप्रयोग करेंगे।	
CO4	कुमाउनी समाज और संस्कृति का विश्लेषण कर पाएंगे।	
CO5	कुमाउनी भाषा और संस्कृति का संश्लेषण कर पाएंगे।	
CO6	कुमाउनी संस्कृति का मूल्यांकन कर पाएंगे।	

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	1	2	2	2	3	1	2	2	2	2	2	2	1
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	1	2	1	1	2
CO3	3	-	1	3	1	-	2	2	-	2	-	2	-	2	2	-
CO4	3	2	-	1	1	2	-	1	2	-	2	-	2	1	2	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	-	2	-
CO6	3	2	1	-	2	2	1	1	2	2	2	-	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	**:** MGLC- 401			
Course Name	**:** गढ़वालीगीत: सृजन, गायनएवंसंगीत			
Semester /Year	**:** IV SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालीलोकगायक, गीतकारऔरसंगीतकारोंकायोगदान।

2- गढ़वालकीसंस्कृतिमेंलोकगीतोंकामहत्वजानना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 गढ़वालीगीत: सृजन, गायनएवंसंगीतकापरिचय।

इकाई-2 गढ़वालीलोकगीतोंमेंअन्तर्निहितसंदेश,गढ़वालीलोकगीतोंमेंअभिव्यक्तलोकसंवेदनाएं।

इकाई-3 विलुप्तहोतीलोकसंस्कृतिकेसंरक्षणमेंगढ़वालीलोकगायिकीकीभूमिका।

इकाई-4 गढ़वालीलोकधुन औरसंगीतसंजीवनी,गढ़वालीलोकजीवनएवंलोकवाद्ययंत्रोंकामहत्व।

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वाल के लोकगीत और लोकनृत्य – डॉ शिवानंद नौटियाल

2- गढ़वालीलोकमानस - डॉशिवानंदनौटियाल

3- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य-डॉहरिदत्तभट्ट 'शैलेश'

4- गढ़वालीभाषा, साहित्यऔरसंस्कृति- गोविंदचातक

संदर्भ पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दनप्रसादकाला

2- गढ़वालऔरगढ़वाल - इतिहास, पुरातत्व, भाषा - साहित्यएवंसंस्कृतिपरकेन्द्रित - चंद्रपालसिंहरावत

पाठ्यक्रमपरिणाम

CO1	गढ़वाली गीत, सृजन एवं गायन का बोध होगा।
CO2	गढ़वाली लोकगीतों द्वारा दिए गए संदेश को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली लोकगीतों के माध्यम से दी गई संवेदनाओं को दैनिक व्यवहार में नाटकीय रूप में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	लोक गायिकी की भूमिका का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली लोकधुन और संगीत संजीवनी का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली लोक जीवन एवं लोक वाद्ययंत्रों का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2	3	3	3	2	2	1
CO2	3	2	2	-	1	2	1	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	1	2	1	2	2	2	2	2	2	-	1	1	-	1
CO5	3	2	2	2	2	1	-	1	1	2	2	2	2	2	1	2
CO6	3	2	-	1	2	2	1	2	2	1	-	2	2	-	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 402			
Course Name	: गढ़वालीसंस्कृति			
Semester /Year	: IV SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालकीसंस्कृतिसेपरिचयकरवाना।
2- गढ़वालीसंस्कृतिकामहत्वजानना।
3- गढ़वालीसंस्कृतिकेसंरक्षणहेतुकिएगएकार्योंकावर्णन।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वालकासांस्कृतिकवैभव
(ii)रहन-सहन

इकाई-2

(i)तीज- त्यौहार
(ii) खानपानएवंवेशभूषा

इकाई-3

(i) लोककलाएंएवंलोकनृत्य
(ii) लोकएवंबोलियां

इकाई-4

(i)वैश्विकपटलऔरगढ़वालीसंस्कृति
(ii)सांस्कृतिकसंरक्षणएवंप्रदेशसरकारकाप्रदेय

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ हरिदत्त भट्ट शैलेश
2- गढ़वाली लोक मानस – डॉ शिवानंद नौटियाल
3- गढ़वाल के लोकगीत और लोकनृत्य – डॉ शिवानंद नौटियाल

संदर्भ पुस्तक :-

1- लोक साहित्य विज्ञान – डॉ सतेंद्र
2- लोक साहित्य की रूपरेखा – डॉ कृष्णचन्द्र शर्मा

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1	गढ़वाली संस्कृति का ज्ञान होगा।
CO2	गढ़वाल के रीति रिवाजों को समझेंगे।
CO3	उत्तराखंड की संस्कृति को अपने दैनिक व्यवहार में अनुप्रयोग करेंगे।
CO4	उत्तराखंड की बोलियों का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	वैश्विक पटल पर गढ़वाली संस्कृति का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	उत्तराखंड की संस्कृतिकेसांस्कृतिकसंरक्षणएवंप्रदेशसरकारकाप्रदेय का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	1	2	2	2	3	1	2	2	2	2	2	2	1
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	1	2	1	1	2
CO3	3	-	1	3	1	-	2	2	-	2	-	2	-	2	2	-
CO4	3	2	-	1	1	2	-	1	2	-	2	-	2	1	2	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	-	2	-
CO6	3	2	1	-	2	2	1	1	2	2	2	-	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLC- 403			
Course Name	: गढ़वालीलोकसाहित्यकेउन्नायक गोविन्दचातक			
Semester /Year	: IV SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गोविंदचातकजीकागढ़वालीलोकसाहित्यमेंदियागयायोगदान।
2- लोकगीतोंकेमाध्यमसेगढ़वालीसंस्कृतिकाप्रचार - प्रसार।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1गोविन्दचातकजीकाजीवनपरिचयएवंसाहित्यिकअवदान

इकाई-2गढ़वालीलोकगीतोंकेसंग्रहणमेंगोविंदचातककी भूमिका

इकाई-3लोकगीतोंकापरिचय -

(I) गढ़वाल - मेरोगढ़वाल
(II) पूजागीत - जाग
(III) मांगल- निमंत्रण ,बरातआगमन
(IV) प्रेमगीत- फ्योलीरौतेली, कैकीबौराणछै, ऐजानूरुकमा
(V) छोपती - पोसतोकीछुमामेरीभाग्यानीबौ।
(VI) बाजूबंद - सुलपाकीसाज
(VII) दाम्पत्यजीवन - रैबार
(VIII) समसामयिकगीत

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीलोकगीत (खंडएक: लघुगीत) - गोविन्दचातक

संदर्भ पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषा, साहित्यऔरसंस्कृति - गोविन्दचातक
2- भारतीयलोकसंस्कृतिकासंदर्भ - मध्यहिमालय - गोविन्दचातक
3- गढ़वालीलोकसाहित्यकासंदर्भ - गोविंदचातक

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1	गढ़वाली साहित्य के संग्रहण में गोविंद चातक के योगदान का ज्ञान हुआ।
CO2	गढ़वाली लोकगीतों के विविध रूपों को समझेंगे।
CO3	गढ़वाली लोकगीतों को अपने दैनिक शुभ कार्यों में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	गढ़वाली लोकगीतों का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली लोकगीतों का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली साहित्य में गोविंद चातक द्वारा संकलित लोकगीतों का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2	3	3	3	2	2	2
CO2	3	2	2	-	1	2	1	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	2	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	1	1	-	1
CO5	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	2	2	2	1	-
CO6	3	2	2	1	2	2	2	2	2	1	2	1	2	-	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLE- 404 (I)				
Course Name	: प्राचीन एवं आधुनिकगढ़वालीकविता(विकल्प -1)				
Semester /Year	: IV SEMESTER/ II YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- कविताकेक्षेत्रमेंगढ़वालीकवियोंकेयोगदानकोसमझना।
2- लोकप्रचलितगढ़वालीकविताओंकाअध्ययन।
3- काव्यकामर्मसमझना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)सदेई -पंडितताराादत्तगैरोला (प्रारंभके 40 छन्द)
(ii)रामीबौराणी- बलदेवप्रसादशर्मा

इकाई-2

(i)वीरवधूदेवकी-भजनसिंह (प्रारंभके 30 छन्द)
(ii)समलौंण (हेचखुलीकविता)- जग्गूनौडियाल

इकाई-3

(i)खुचकंडी- श्रीनरेन्द्रसिंहनेगी
(ii)प्रीतमसतसई- डॉक्टरप्रीतमअपछयाण (प्रारंभके 02 खंड)

पाठ्य पुस्तक :-

1- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य-डॉ. हरिदत्तभट्ट‘शैलेश’
2- गढ़वालीलोकसाहित्यकाविवेचनात्मकअध्ययन- मोहनलालबाबुलकर
3- खुचकंडी- श्रीनरेन्द्रसिंहनेगी
4- प्रीतमसतसई- डॉक्टरप्रीतमअपछयाण

संदर्भ पुस्तक :-

1- गढ़वालीलोकगीत-शिवानंदनौटियाल
2- गढ़वालकाइतिहास- श्रीहरिकृष्णरतूड़ी
3- गढ़वालीलोकमानस- डॉ.शिवानंदनौटियाल
4- गढ़वालीलोकसाहित्यकासंदर्भ :मध्यहिमालय -डॉ.गोविंदचातक

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1	प्राचीन और आधुनिक गढ़वाली कविताओं का ज्ञान प्राप्त हुआ।
CO2	लोक प्रचलित कहानियों को काव्य के माध्यम से समझेंगे।
CO3	काव्य लेखन को दैनिक व्यवहार में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	गढ़वाली काव्य का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली काव्य का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली लेखकों के साहित्य का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	-	1	3	-	2	3	1	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	2	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	2	1	-	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	2	1	-
CO6	3	2	-	-	2	2	1	2	2	2	-	-	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	20	20	60

Course code	: MGLE- 404 (II)			
Course Name	: कुमाउनी गद्य साहित्य(विकल्प -2)			
Semester /Year	: IV SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- कुमाउनीगद्यकीविभिन्नविधाओंसेअवगतकराना।

2- कुमाउनीलेखकोंकासाहित्यमेंयोगदानस्पष्ट करना ।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 कुमाउनी के प्रमुख कथाकार: परिचय एवं रचनाएं

इकाई-2 कुमाउनी कहानी का उद्भव, विकास और परिचय, कुमाउनी कहानी संचयन

इकाई-3 कुमाउनी उपन्यास का उद्भव, विकास और परिचय - उपन्यास (मेरि जड़)

इकाई-4 कुमाउनी नाटक का उद्भव, विकास और परिचय - नाटक (सुरजू कुँवर)

पाठ्य पुस्तक :-

1- कुमाउनी कहानी संचयन - डॉ प्रीति आर्य, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी

2- मेरि जड़ (उपन्यास) - श्यामसिंह कुटौला, सूरी पनार समिति अल्मोड़ा

3- सुरजू कुँवर (नाटक) - त्रिभुवन गिरी, उत्तरायण कंप्यूटर्स, अल्मोड़ा

संदर्भ पुस्तक :-

1- डॉ भवानीदत्त उप्रेती - कुमाउनी भाषा का अध्ययन

2- कुमाऊं का इतिहास - बद्री दत्त पांडे

3- कुमाउनी भाषा और उसका साहित्य - डॉ त्रिलोचन पांडे

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1	कुमाउनी गद्य साहित्य का ज्ञान होगा।
CO2	गद्य की विविध विधाओं को समझेंगे।
CO3	कहानी, उपन्यास, नाटक लेखन को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करेंगे।
CO4	साहित्य के माध्यम से समाज में चल रही समस्याओं का विश्लेषण हुआ।
CO5	कुमाउनी गद्य की विधाओं का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	कुमाउनीगद्य का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	-	1	2	2	2	3	1	2	2	2	2	2	2	1
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	1	2	1	1	2
CO3	3	-	1	3	1	-	2	2	-	2	-	2	-	2	2	-
CO4	3	2	-	1	1	2	-	1	2	-	2	-	2	1	-	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	-	2	-
CO6	3	2	1	-	2	2	1	1	2	2	-	1	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	: MGLE- 405 (I)			
Course Name	: गढ़वालकीकलाऔरवास्तुकला(विकल्प -1)			
Semester /Year	: IV SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालकीवास्तुकलाकापरिचयकरवाना।

2- वास्तुकलाकामहत्वजानना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)गढ़वालकी वास्तुकलाकाइतिहास।

(ii)मंदिरोंमेंस्थापत्यकलाकाइतिहास।

इकाई-2

(i)पर्यटनस्थलोंमेंवास्तुकलाकामहत्व।

(ii)पारम्परिकभवननिर्माणमेंवास्तुकलाकामहत्व।

इकाई-3

(i)प्राकृतिकसौंदर्य:काष्ठकलाऔरवास्तुकलाकायोगदान।

(ii)प्राचीनसिद्धपीठोंमें निरुपितसभ्यताएवंवास्तुकला।

इकाई-4

(i) कलाएवंसंस्कृतिकाअद्भुतसमन्वयगढ़वालहिमालय।

पाठ्य पुस्तक :-

1-उत्तराखंड का नवीन इतिहास – डॉक्टर यशवंत सिंह कटोच

2-उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईंक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन - डॉक्टरजगदीशप्रसादनौडियाल

3-गढ़वाल और गढ़वाल - इतिहास, पुरातत्व, भाषा – साहित्य एवं संस्कृति पर केन्द्रित – चंद्रपाल सिंह रावत

4-उत्तराखंडकेधार्मिकएवंसांस्कृतिकपर्यटनस्थल - डॉक्टरजोधसिंहनेगी

संदर्भ पुस्तक :-

1-गढ़वाल का इतिहास – हरिकृष्ण रतूड़ी

2-उत्तराखंड का इतिहास – डॉ शिवप्रसाद डबराल 'चारण'

3-गढ़वाली लोकमानस- डॉक्टर शिवानंद नौटियाल

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1	गढ़वाल की कला और वास्तुकला के इतिहास का बोध होगा।
CO2	मंदिरों में स्थापत्य कला के इतिहास को समझेंगे।
CO3	भवनों के निर्माण में वास्तुकला का प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	वास्तुकला और स्थापत्य कला का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	काष्ठकला और वास्तुकला का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	प्राकृतिक सौंदर्य हेतु वास्तुकला, स्थापत्य कला और काष्ठकला का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	1	2	3	1	2	3	3	3	2	2	2
CO2	2	2	2	-	1	2	1	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	2	3	2	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	2	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	1	1	-	1
CO5	3	2	2	2	2	1	2	1	2	2	2	2	2	2	1	-
CO6	3	2	1	1	2	2	1	2	2	1	-	1	2	-	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I[st]Internal (Assignment)	II[nd] Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	**:** MGLE- 405 (II)			
Course Name	**:** कुमाउनी पद्य साहित्य(विकल्प -2)			
Semester /Year	**:** IV SEMESTER/ II YEAR			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- कुमाउनीसाहित्यकापरिचयकरवाना।

2- कुमाउनीभाषाकेकविऔरउनकीकृतियोंकापरिचयकरवाना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 **(i)**कुमाउनी के प्रमुख साहित्यकार परिचय एवं रचनाएं
(ii)गोरी दत्त पांडे 'गौर्दा'- हमरो कुमाऊं, वृक्षन को विलाप

इकाई-2 शेरदा 'अनपढ़' - को छै तू , पहाड़ाक हाड़

इकाई-3 चारुचंद्र पांडे -कत्थ हुड़ुक कत्थ गैण

इकाई-4 श्रीमती देवकी महरा - मैती मुलुक, जागर

पाठ्य पुस्तक :-

1- जनपदीय भाषा साहित्य - डॉ शेर सिंह बिष्ट एवं डॉ सुरेन्द्र जोशी

2- कुमाउनी भाषा और उसका साहित्य - डॉ त्रिलोचन पांडे

संदर्भ पुस्तक :-

1- कुमाउनी भाषा साहित्य और संस्कृति - डॉ देव सिंह पोखरिया

2- कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति - डॉ केशवदत्त रुवाली

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1	कुमाउनीसाहित्य का ज्ञान होगा।
CO2	कुमाउनीसाहित्य के माध्यम से उत्तराखंड के नैसर्गिक सौंदर्य को समझ पाएंगे।
CO3	काव्य लेखन को दैनिक व्यवहार में प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	कुमाउनीलेखकों के साहित्य का तुलनात्मक विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	कुमाउनीसाहित्यका संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	कुमाउनीभाषाकेकविऔरउनकीकृतियोंकाका मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	2	3	2	2	3	2	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	2	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	2	1	-	2
CO5	3	2	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	2	1	-
CO6	3	2	-	2	2	2	1	2	2	2	2	-	2	2	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	**:** MGLE- 406 (I)				
Course Name	**:** गढ़वालहिमालयऔरसाहित्य (विकल्प -1)				
Semester /Year	**:** IV SEMESTER/ II YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- हिमालयकेरचनाकारोंकासाहित्यमेंयोगदानस्पष्टकरना।
2- साहित्यमेंहिमालयकेवर्णनकापरिचयकरवाना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1

(i)प्रमुख हिमालयीराज्य:अवधारणाऔररणनीति
(ii) हिंदीसाहित्यऔर हिमालयीसाहित्य

इकाई-2

(i)वैश्विकपरिप्रेक्ष्यमेंगढ़वालहिमालय
(ii) गढ़वालहिमालय: साहित्यिक सरोकार

इकाई-3

(i)गढ़वालहिमालय: इतिहास, दर्शन, भक्ति, आध्यात्म एवं सृजन की पूर्व पीठिका
(ii)सांस्कृतिकऔरआध्यात्मिकमिथकोंकेसन्दर्भमेंगढ़वालहिमालय

इकाई- 4

(i) गढ़वालहिमालय:लोकसाहित्य एवं सृजन की उर्वरा भूमि

पाठ्य पुस्तक :-

1- उत्तराखंड का नवीन इतिहास – डॉक्टर यशवंत सिंह कटोच
2-उत्तराखंड का इतिहास – डॉ शिवप्रसाद डबराल 'चारण'
3-हिमाचल दर्शन – शिवानंद नौटियाल

4- हिमालयगाथा - देवपरंपरा - सुदर्शनवशिष्ठ
5- हिमालयगाथा - पर्वउत्सव - सुदर्शनवशिष्ठ

संदर्भ पुस्तक :-

1-गढ़वाल का इतिहास – हरिकृष्ण रतूड़ी
2-गढ़वाली लोकमानस- डॉक्टर शिवानंद नौटियाल

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1	गढ़वाल हिमालय और साहित्य का ज्ञान होगा।
CO2	हिंदी साहित्य और हिमालयी साहित्य को समझेंगे।
CO3	गढ़वाल हिमालय और साहित्य को लेखन की दृष्टि से प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	गढ़वाल हिमालय: इतिहास, दर्शन, भक्ति एवं आध्यात्म का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मिथकों के संदर्भ में हिमालय का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाल हिमालय और लोक साहित्य का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	2	3	2	2	3	2	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	2	-	2	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	2	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	2	1	2	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	2	1	-
CO6	2	2	2	-	2	2	1	2	2	2	1	-	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	**:** MGLE- 406 (II)				
Course Name	**:** लघुशोधप्रबंध (विकल्प -2)				
Semester /Year	**:** IV SEMESTER/ II YEAR				
		L	**T**	**P**	**C**
		2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसप्रश्नपत्रकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- शोधकार्यकोबढ़ावादेना।

2- शोधकीप्रविधिसमझाना।

निर्देश - 1- लघुशोधप्रबंधकाविकल्पकेवलवहीपरीक्षार्थीचुनसकेंगे, जिन्होंनेप्रथमदोसेमेस्टरोंमें 55 प्रतिशतयाइससेअधिकअंकप्राप्तकिएहों।

2- लघुशोधप्रबंधकाविषयपरीक्षार्थीद्वाराविभागाध्यक्ष / वरिष्ठशिक्षकसेपरामर्शपरचुनाजायेगा।

3- लघुशोधप्रबंधकामूल्यांकनएकबाह्यपरीक्षककेसाथसंयुक्तरुपसेकियाजायेगा।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

गढ़वालीसाहित्यकेकिसीभीविषयपरलघुशोधकियाजासकताहै, जिसकाअंकविभाजनइसप्रकारहोगा -

1- नियतकालीनप्रस्तुतीकरण =20 अंक

2- लघुशोधमूल्यांकन =60 अंक

3- मौखिकी =20 अंक

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1	शोध कार्य करने का बोध होगा।
CO2	शोध की बारीकियों को समझेंगे।
CO3	शोध पत्र लेखन की विधियों को प्रयोग करेंगे।
CO4	गढ़वाली लेखकों के साहित्य का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	गढ़वाली लेखकों के साहित्य का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली लेखकों के साहित्य का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	P0 9	PO 10	PO 11	PO 12	PS O1	PS O2	PS O3	PS O4
CO1	3	2	2	2	3	2	2	3	2	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	2
CO3	3	-	2	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	2	1	2	2
CO5	3	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	2	1	1
CO6	3	2	-	2	2	2	1	2	2	2	-	-	2	2	1	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	IstInternal (Assignment)	IInd Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**

Course code	**:** MGLS- 407			
Course Name	**:** गढ़वाली लोकगाथा			
Semester /Year	**:** IV SEMESTER/ II YEAR			
L	**T**	**P**	**C**	
2	1	0	3	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

पाठ्यक्रम उद्देश्य-इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वाल क्षेत्र की लोकगाथाओं का परिचय करवाना।

2- लोकगाथाओं से संबंधित तथ्यों की जानकारी प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम सामग्री :-

इकाई-1 लोकगाथा का अर्थ, स्वरुप और भेद

इकाई-2 गढ़वाली की लौकिक गाथाएं जीतू बगड़वाल की -(पवाणा) गाथा, माधो सिंह भंडारी की गाथा, तीलू रौतेली की गाथा, जगदेव पंवार की गाथा, रणूरौत, भानु भौपेलू, गढ़ सुम्याल, मालू राजुला, कालू भंडारी आदि की कथा।

इकाई-3 गढ़वाली की पौराणिक गाथाएँ कृष्ण सम्बन्धी गाथाएं - (जागर), देवगाथाएं, पांडव सम्बन्धी गाथाएं।

इकाई- 4 गढ़वाली की अन्य पौराणिक गाथाएंनागराजा -कृष्ण सम्बन्धी -, सिधुवा विधवा, गंगू रमोला, कद्रू विनता तथा निरंकार की गाथा आदि।

पाठ्य पुस्तक :-

1-गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्ट'शैलेश'

2- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दनप्रसादकाला

संदर्भ पुस्तक :-

1-गढ़वालऔरगढ़वाल - इतिहास, पुरातत्व, भाषा - साहित्यएवंसंस्कृतिपरकेन्द्रित - चंद्रपालसिंहरावत
2- उत्तराखंडकालोकसाहित्य - उत्तराखंडमुक्तविश्वविद्यालय, हल्द्वानी

पाठ्यक्रम परिणाम

CO1	लोकगाथा के अर्थ और स्वरुप का बोध होगा।
CO2	गढ़वाली लोकगाथाओं को समझेंगे।
CO3	लोकगाथा को नाट्य रूपांतरण करके मंच पर अभिनव प्रयोग कर पाएंगे।
CO4	लौकिक गाथा और पौराणिक गाथा का विश्लेषण कर पाएंगे।
CO5	लौकिक गाथा और पौराणिक गाथा का संश्लेषण कर पाएंगे।
CO6	गढ़वाली लोकगाथाओं का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO-PO-PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	P09	PO10	PO11	PO12	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	1	3	2	2	3	1	2	3	3	2	2	2	2
CO2	3	1	2	-	-	2	2	-	2	1	2	2	2	1	1	-
CO3	3	-	2	3	1	-	2	2	-	2	-	2	2	2	2	2
CO4	3	2	-	1	1	2	-	2	2	2	2	-	2	1	-	2
CO5	2	-	2	2	2	1	2	-	2	2	2	2	2	2	1	1
CO6	3	2	-	2	2	2	1	2	2	2	-	2	2	2	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

ExaminationScheme:

Components	I[st]Internal (Assignment)	II[nd] Internal (Written Exam)	External (ESE)
Weightage(%)	**20**	**20**	**60**